Dainik Bhaskar (Indore), 06th June 2025, Page – 06

After JEE advance | IIT इंदौर की सीएस और डेटा साइंस ब्रांच का कटऑफ 1583 से घटकर 1245 रैंक पर आया

टियर-1 के संस्थान ही नहीं, टॉप चॉइस में इंदौर भी

गजेंद्र विश्वकर्मा | इंदौर

जेईई एडवांस के नतीजे घोषित हो चुके हैं और अब स्टूडेंट्स की नजरें आईआईटी में एडमिशन को लेकर होने वाली जोसा काउंसलिंग पर टिकी हैं। यह 10 जून से शुरू हो रही है। इस बार शहर से करीब 2100 स्टूडेंट्स ने एडवांस परीक्षा दी थी। इसमें से करीब 65 स्टूडेंट्स टॉप 5 हजार और 200 से ज्यादा टॉप 10 हजार रैंक में रहे। अब सवाल यह है कि कौन सी रैंक पर कौन सी ब्रांच और कौन सा आईआईटी मिल सकता है। इस सवाल का जवाब पिछले तीन वर्षों के कटऑफ ट्रेंड बता रहे हैं। इसे देखे तो कम्प्यूटर साइंस की मांग सबसे ज्यादा बनी हुई है। टॉप ब्रांच के तौर पर कम्प्यूटर साइंस की कटऑफ रैंक 100 से 400 के बीच रहती है। 2024 में जनरल कैटेगरी में आईआईटी बॉम्बे में इस ब्रांच की लास्ट रैंक 68 थी। जबकि दिल्ली में 116 और मद्रास में 159 रैंक रही। बाकी आईआईटी के कटऑफ में अब स्टूडेंट्स का रुझान बदलते हुए नजर आ रहा है। पहले स्टूडेंट्स केवल ओल्ड और टियर-1 आईआईटी तक सीमित रहते थे, लेकिन अब आईआईटी इंदौर जैसे संस्थान जिनकी रिसर्च, प्लेसमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर क्वालिटी लगातार बेहतर हो रही है अब टॉप रैंकर्स की स्मार्ट चॉइस बनते जा रहे हैं। इसका उदाहरण है आईआईटी इंदौर में कम्प्यूटर साइंस का कटऑफ। 2022 में 1583, 2023 में 1376 और 2024 में एडमिशन लेने वालों की रैंक घटकर 1245 हो गई। यही नहीं, डेटा साइंस एंड इंजीनियरिंग की ब्रांच ने भी तेजी से ग्रोथ हुई है। 2022 में 2 हजार से ऊपर वाली रैंक वाले आ रहे थे अब 1574 रैंक वाले भी एडमिशन ले रहे हैं। इलेक्ट्रिकल में कटऑफ लगातार 3 हजार से नीचे जा रही है, जबकि मैकेनिकल की डिमांड में थोड़ी गिरावट आई है।

पिछले कटऑफ के आधार पर एक्सपर्ट का मानना है कि 2025 के प्लेसमेंट ट्रेंड्स को देखते हुए इस बार कम्प्यूटर साइंस और डेटा साइंस की कटऑफ और भी कम हो सकती है, यानी 1100 से 1150 रैंक तक आ सकती है।

दूसरी ओर, एनआईटी में एडमिशन के लिए जेईई मेन्स की रैंक देखी जाती है। इसमें एनआईटी त्रिची, वारंगल और सूरथकल जैसे संस्थानों में कम्प्यूटर साइंस के लिए जनरल कैटेगरी की लास्ट रैंक 3 हजार से 9 हजार के बीच रहती है। ऐसे में जिन स्टूडेंट्स की एडवांस रैंक अपेक्षाकृत ज्यादा है। वे इन एनआईटी में एडमिशन का विकल्प भी चुन सकते हैं। जोसा काउंसलिंग की प्रक्रिया 10 जून से शुरू होने जा रही है। रजिस्ट्रेशन, चॉइस फिलिंग, सीट अलॉटमेंट और डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन के चरणों में बंटे इस सिस्टम के माध्यम से देश के 23 आईआईटी, 31 एनआईटी और 26 आईआईआईटी और अन्य संस्थानों में एडमिशन मिलता है।

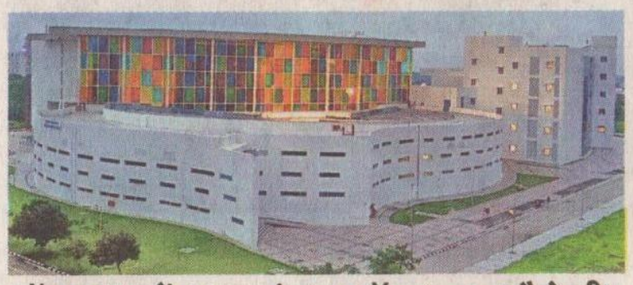

टॉप 5 IIT में CSE ब्रांच कटऑफ (जनरल कैटेगरी)

आईआईटी	2022	2023	2024
बॉम्बे	60	66	68
दिल्ली	102	115	116
मद्रास	167	144	159
कानपुर	238	270	284
खड़गपुर	293	303	335

एक्सपर्ट : (2007 के टॉपर एमरोस बिरानी (एआईआर 3), शिक्षाविद डॉ. जयंतीलाल भंडारी)